## कक्षा चार / परियोजना कार्य/ 2017–18
## विषय – 'नन्हे रिपोर्टर्स'
## उपविषय – 'साक्षात्कार' (बदलता परिवेश )

**उददेश्य** – इस परियोजना कार्य का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना, कल तथा आज में आये बड़े अंतर के विषय में जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रेरित करना है। जिसके लिए कक्षा चार के छात्रों के लिए रचनात्मक लेखन की महत्वपूर्ण विधा 'साक्षात्कार' का चयन किया गया है।

**प्रक्रिया –**

1. छात्रों को दस–दस के समूहों में विभाजित किया जाएगा। उदाहरणार्थ – अनुक्रमांक 1–10 तक के छात्र एक समूह में कार्य करेंगे। प्रत्येक छात्र एक प्रश्न का निर्माण करेगा। इस प्रकार एक समूह के लिए दस प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी तैयार होगी।
2. छात्र अपनी परियोजना कार्य हेतु अपने दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी से साक्षात्कार करेंगे तथा उनके समय में और आज के समय में आए किसी भी महत्वपूर्ण परिवर्तन के विषय में एक प्रश्न पूछेंगे तथा उनका उत्तर अपने दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी से लिखवाकर लाएंगे। जिसे कोलाज के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
2. साक्षात्कार के लिए पूछे जाने वाले प्रश्न का निर्माण छात्र स्वयं करेंगे। उदाहरण –

**1.आपके समय में किस प्रकार के खेल हुआ करते थे?**

**2. क्या उस समय भी इतने सारे घर थे?**

3. प्रश्नों के निर्माण का आधार 'दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी का बचपन तथा आपका बचपन' होगा जिसमें आप उनसे खानपान, वेशभूषा, खेलकूद, वातावरण, रहन–सहन,संचार के साधनों आदि से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं।
4. परियोजना कार्य को सुन्दर तथा आकर्षक बनाने के लिए चित्रों के भी दो कोलाज बनाएँ जाएंगे। कोलाज में दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी की तथा आपके बचपन के समय में प्रयोग की जाने वाली वस्तुएं (जिनसे आप दोनों कालों का अंतर स्पष्ट कर सकें ) के चित्र चिपकाएंगे। ।

**प्रथम चरण : –**

1. छात्र परियोजना हेतु एक फाइल तथा कम से कम 10 पेस्टल शीट लेकर आएँगे ,जिसे दि0 17.11.17 तक कक्षा में जमा कराया जाएगा।
2. परियोजना कार्य दि0 20.11.17 से दि0 30.11.17 तक कक्षा में कराया जाएगा ।

3. अंतिम तिथि तक परियोजना कार्य जमा न करने पर अंक काट दिए जाएँगे।

4. लिखावट तथा प्रस्तुतिकरण पढ़ाई का एक अभिन्न अंग है जिस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

5. परियोजना कार्य हिन्दी अध्यापिकाओं की उपस्थिति में कराया जाएगा।

6. **मूल्यांकन बिन्दु :** – भाषा, प्रस्तुतिकरण , विषय वस्तु , विषयानुसार लेखन – प्रस्तुत बिन्दुओं के आधार पर परियोजना कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा।

7. छात्र अपने परियोजना कार्य को सुन्दर तथा आकर्षक बनाने हेतु चित्रों तथा सजावट सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं।

**द्वितीय चरण:–**

प्रश्न सूची के प्रश्नों के उत्तरों के आधार पर अध्यापिका मौखिक परीक्षा लेगी।

**प्रश्न सूची**

1. आपको यह परियोजना कार्य करने के बाद क्या अनुभव हुआ?
2. रिपोर्टर बनकर कैसा एहसास हुआ?
3. आपने अपने तथा दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी के बचपन के समय में क्या अंतर पाया?
4. क्या आपको यह बदलाव अच्छा लगा यदि हाँ तो क्यों? /यदि नहीं तो क्यों नहीं?
5. उनके समय में खेले जाने वाले खेल आपको कैसे लगे?
6. क्या आपके दादाजी–दादीजी / नानाजी–नानीजी आज के समय के खेल खेलना चाहते हैं?

**विशेष** – जो प्रश्न छात्रों ने साक्षात्कार के लिए तैयार किए हैं उनके आधार पर भी मौखिक परीक्षा ली जाएगी।